गणपति दिलाएंगे कारोबार में सफलता

प्रत्येक शुभ अवसर पर गणपति की पूजा अनिवार्य है। यह परंपरा शास्त्रीय है। सभी कार्यों के आरंभ में विनायक की पूजा अवश्य होती है। विनायक शब्द के विशिष्ट नायक विगत हैं। वैदिक मत में सभी कार्यों के आरंभ में जिस देवता का पूजन होता है वह विनायक है।

श्री गणपति जी सृष्टि के आद्य तत्व हैं। उन्हीं को प्रथम वंदन करके मंगलाचरण किया जाता है। अमंगल रोकने में समर्थ मंगल मूर्ति श्री गणेश ही हैं।

श्री गणपत्यथर्वशीर्ष अनुसार मंगल कार्यों के आरंभ में सबसे पहले गणपति जी के पूजन का यही कारण है।

शास्त्री जी के अनुसार इस लेख के माध्यम से आज हम आपको बुधवार के दिन गणपति जी से जुड़ा और धन की किल्लत खत्म करने वाला विशिष्ट उपाय बता रहे हैं। यदि घोर मेहनत के उपरांत भी धंधा मंदा हो अथवा व्यापार न बढ़े और धन आए तो सही परंतु अत्यधिक खर्च हो जाए। तथा आप बचत करने में असमर्थ हो जाएं तो यह उपाय कीजिए। पूरी श्रद्धा के साथ किया गया ये उपाय निश्चित सफलतादायक होता है।

अनिवार्य उपाय

पूजा और सटीक विधि : सर्वप्रथम उत्तरमुखी होकर गणपतिजी का विधिवत दीप धूप पुष्प गंध और नावैद्य से पंचोउपचार करें। नावैद्य में लड्डू यां गुड़ का भोग लगाएं। इसके उपरांत छोटा सा हरे रंग का कपड़ा बिछा लें।

तत्पश्चात् हरे कपड़े पर ११ मूंग के दाने, ११ साबुत धनिया के दाने, ५/- रूपए का सिक्का, १ साबुत सुपारी, १ हल्दी की गांठ रख कर हरे कपड़े से पोटली बना लें। इसके बाद गणपति जी के चित्र के सामने 'पंच श्लोकि गणेश पुराण' का पाठ करें।

तत्पश्चात् इस पोटली को गणपति जी के चित्र पर स्पर्श करवाकर तिजोरी या कैश बॉक्स में रख दें। आर्थिक स्थिति में शीघ्र सुधार आएगा। १ साल बाद नई पोटली बना कर बदलते रहें।

ये तरीका दिला सकते हैं झगड़ों से निजात

घर में कई अलग-अलग स्वभाव लोग रहते हैं। ऐसे में कई बार एक-दूसरे से आदतें और विचार मेल नहीं खाते हैं। जिससे अक्सर घर के लोगों में मन-मुटाव और झगड़े होने लगते हैं। इन झगड़ों की वजह से घर में हमेशा ही अशांति और क्लेश का माहौल बना रहता है। वास्तु के कुछ छोटे-छोटे उपायों को अपना कर इन झगड़ों से छुटकारा पाया जा सकता है।

१. यदि घर में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहती है तो सफेद चंदन की बनी कोई भी मूर्ति ऐसे स्थान पर रखें, जहां से सभी सदस्यों की नजर उस पर पड़े। इससे पारिवारिक तनाव खत्म होगा और सदस्यों में आपसी विश्वास बढ़ेगा।

२. यदि घर के पुरुष सदस्यों के बीच तनाव और विवाद की स्थिति रहती हो तो ऐसे घर में कदम्ब के पेड़ की डाली रखनी चाहिए। इससे शांति का वातावरण बनता है।

३. घर के अन्य स्थानों की बजाए रसोई घर में बैठकर खाना खाने से घर में राहु का प्रभाव कम होता है और सुख-शांति बनी रहती है।

४. घर की उत्तर-पूर्व दिशा में कूड़ेदान बनाने या कचरा रखने से भी घर के लोगों में मन-मुटाव और जलन आदि भावना रखते हैं। इस दिशा में कूड़ादान भूलकर भी नहीं रखना चाहिए।

५. परिवार के सदस्यों के बीच के झगड़ों को कम करके घर में शांति बनाए रखने के लिए रोज सुबह नहाने के बाद पूरे घर में गंगाजल छिड़के।

६. हर महीने में घर के सदस्यों की संख्या और घर में आए सभी अतिथियों की संख्या के बराबर मीठी रोटियां बनाकर जानवरों को खिलाना चाहिए। इससे घर में बीमारी, झगड़े और फिजूल खर्च से छुटकारा मिलेगा।

८. यदि किसी महिला की वजह से घर में अशांति रहती हो तो सफेद मोती की अंगूठी बनवाकर उस महिला को दाहिने हाथ की अनामिका उंगली (छोटी उंगली के पास वाली उंगली) में पहनानी चाहिए।

९. जिस घर में बिना कारण के तनाव और अशांति का वातावरण बनता हो, उस घर के लोगों को गुरुवार को बाल और दाढ़ी-मूंछ नहीं कटवाना चाहिए।

बृहस्पति एवं शुक्र का दाम्पत्य जीवन पर प्रभाव

बृहस्पति और शुक्र दो ग्रह हैं जो पुरूष और स्त्री का प्रतिनिधित्व करते हैं.मुख्य रूप ये दो ग्रह वैवाहिक जीवन में सुख दु:ख, संयोग और वियोग का फल देते हैं.

बृहस्पति और शुक्र दोनों ही शुभ ग्रह हैं सप्तम भाव जीवन साथी का घर होता है ।इस घर में इन दोनों ग्रहों की स्थिति एवं प्रभाव के अनुसार विवाह एवं दाम्पत्य सुख का सुखद अथवा दुखद फल मिलता है। पुरूष की कुण्डली में शुक्र ग्रह पत्नी एवं वैवाहिक सुख का कारक होता है और स्त्री की कुण्डली में बृहस्पति।ये दोनों ग्रह स्त्री एवं पुरूष की कुण्डली में जहां स्थित होते हैं और जिन स्थानों को देखते हैं उनके अनुसार जीवनसाथी मिलता है और वैवाहिक सुख प्राप्त होता है।

ज्योतिषशास्त्र का नियम है कि बृहस्पति जिस भाव में होता हैं उस भाव के फल को दूषित करता है और जिस भाव पर इनकी दृष्टि होती है उस भाव से सम्बन्धित शुभ फल प्रदान करते हैं।जिस स्त्री अथवा पुरूष की कुण्डली में गुरू सप्तम भाव में विराजमान होता हैं उनका विवाह या तो विलम्ब से होता है अथवा दाम्पत्य जीवन के सुख में कमी आती है।पति पत्नी में अनबन और क्लेश के कारण गृहस्थी में उथल पुथल मची रहती है।

दाम्पत्य जीवन को सुखी बनाने में बृहस्पति और शुक्र का सप्तम भाव और सप्तमेश से सम्बन्ध महत्वपूर्ण होता है । जिस पुरूष की कुण्डली में सप्तम भाव, सप्तेमेश और विवाह कारक ग्रह शुक बृहस्पति से युत या दृष्ट होता है उसे सुन्दर गुणों वाली अच्छी जीवनसंगिनी मिलती है।इसी प्रकार जिस स्त्री की कुण्डली में सप्तम भाव, सप्तमेश और विवाह कारक ग्रह बृहस्पति शुक्र से युत या दृष्ट होता है उसे सुन्दर और अच्छे संस्कारों वाला पति मिलता है।

शुक्र भी बृहस्पति के समान सप्तम भाव में सफल वैवाहिक जीवन के लिए शुभ नहीं माना जाता है।सप्तम भाव का शुक्र व्यक्ति को अधिक कामुक बनाता है जिससे विवाहेत्तर सम्बन्ध की संभावना प्रबल रहती है।विवाहेत्तर सम्बन्ध के कारण वैवाहिक जीवन में क्लेश के कारण गृहस्थ जीवन का सुख नष्ट होता है।बृहस्पति और शुक्र जब सप्तम भाव को देखते हैं अथवा सप्तमेश पर दृष्टि डालते ह तो इस स्थिति में वैवाहिक जीवन सफल और सुखद होता है।लग्न में बृहस्पति अगर पा-पकर्तरी योग (ईर्ज्जूं र्भ्दुं) से पीड़ित होता है तो सप्तम भाव पर इसकी दृष्टि का शुभ प्रभाव नहीं होता है ऐसे में सप्तमेश कमज़ोर हो या शुक्र के साथ हो तो दाम्पत्य जीवन सुखद और सफल रहने की संभावना कम रहती है।

फिजूल खर्च से बचाएंगे ये उपाय

अक्सर हम इस बात से खासे परेशान रहते हैं कि आखिर हमारा पैसा जा कहां रहा है। क्योंकि कमाई तो ठीक-ठाक ही है। ऐसी समस्या कई लोगों के साथ होती रहती है। अगर आप भी इससे परेशान हैं। तो यह उपाए आपको काफी लाभ पहुंचा सकते हैं। आईए जानें कौन-कौन से हैं यह उपाए:-

- इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि अलमारियां खिड़की के बाहर से दिखाई न दें।
- चेक बुक, बैंक और व्यापार के कागजात, नकद, आभूषण आदि अलमारी की तिजोरी में इस प्रकार रखें कि वह दक्षिण या नैऋत्य की ओर न खुले अन्यथा धन की हानि होगी।
- तिजोरी शयन कक्ष में नहीं रखें। यदि रखनी ही हो, तो दक्षिण भाग में इस तरह रखें कि उसका मुंह उत्तर अर्थात कुबेर की दिशा की ओर खुले, धन लाभ होगा।
- घर में नौ दिन तक भगवान के अखंड कीर्तन कराएं, दोष से मुक्ति मिलेगी।
- मुख्य द्वार के ऊपर सिंदूर से नौ अंगुल चौड़ा स्वस्तिक का चिह्न बनाएं। इसके अतिरिक्त यह चिह्न घर के वास्तु दोष से ग्रस्त सभी स्थलों पर बनाएं।

सपने में रंग बिरंगे कपड़े दिखे तो सम्भल जाएं

अगर आपको सपने में रंग बिरंगे कपड़े दिखे तो इसे हल्के में न लें आपके लिए ये भविष्य में होने वाली घटना का इशारा हो सकता है। सपने में खुद के कपड़े रंग-बिरंगे होने पर कुछ अनचाही घटनाओं का सामना करना पड़ सकता है।

स्वप्न ज्योतिष के अनुसार जब हम नींद में होते हैं तब हमारा सुक्ष्म दिमाग चलता रहता है। उसी वजह से हमें सपने दिखाई देते हैं। इन सपनों में हमारी असल जिंदगी में होने वाली घटनाओं के संकेत छुपे होते हैं। इन संकेतों पर ध्यान दिया जाए तो कई परेशानियों से बचा जा सकता है और कई कार्यो में अतिरिक्त लाभ भी प्राप्त किया जा सकता है।

खुद के कपड़े गंदे और मैले दिखाई दे तो...

- ऐसे व्यक्ति को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा
- ऐसा सपना संकेत देता है कि उस व्यक्ति का घोर अपमान होने वाला है।

खुद के कपड़े पीले रंग के हो तो...

- दुख प्राप्त होगा।
- उस व्यक्ति के जीवन में तबाही आ सकती है।

खुद के काले रंग के कपड़े दिखाई दे तो..

- ऐसा सपना देखने वाले व्यक्ति को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।
- कोई अधिकारी हो या किसी कंपनी मालिक हो या ऑफिसर हो उसे कलंक लग सकता है या अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

इन स्वप्न के बुरे फल से कैसे बचें :-

- सपनों के बुरे प्रभाव से बचने के लिए प्रात काल उठने के बाद शिवलिंग पर जल चढ़ाएं।
- पीपल के वृक्ष पर चढ़ाएं और सात परिक्रमा करें
- किसी गरीब व्यक्ति को खाना खिलाएं उसकी मदद करें, उससे दुआएं लें।
- किसी मंदिर में गुप्त दान करें।

वास्तु के इन उपायों से जल्दी हो जाएगें हाथ पीले

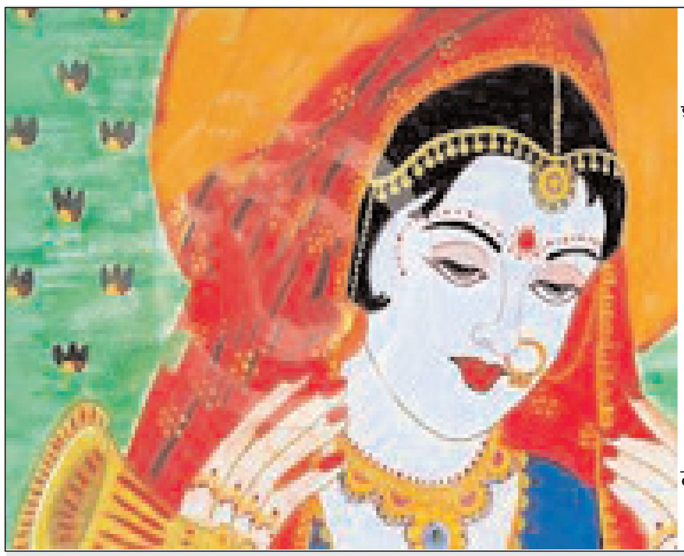

शादी की उम्र हो गई है और आप शादी करना चाह रहे हैं तो आपको वास्तु के इन कुछ नियमों को आजमाना चाहिए। इन उपायों को अपनाने से जहां आपकी शादी जल्दी हो जाएगी वहीं आपको अपना मनचाहा जीवनसाथी भी मिलेगा।

-वास्तु और ज्योतिषशास्त्र के अनुसार विवाह के इच्छुक युवक युवतियों को काले रंग के वस्त्रों के प्रयोग में कमी लानी चाहिए। इसका कारण यह है कि काला रंग शनि, राहु और केतु इन तीनों ग्रहों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो विवाह में बाधक होते हैं। आप प्रेम विवाह करना चाहते हों या पारंपरिक विवाह दोनों ही स्थितियों में इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

-कुंवारे लड़के-लड़कियां जो घर से दूर रहकर नौकरी या पढ़ाई करते हैं अक्सर शेयर कमरे में रहते हैं, यानी किराए पर घर लेकर दोस्तों के साथ रह जाते हैं। इस तरह आप रहते हैं तो आपको विवाह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए और मनचाहा जीवनसाथी जल्दी पाने के लिए अपना बेड दरवाजे के करीब लगाना चाहिए।

-विवाह की चाहत रखने वाले व्यक्तियों को इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि विवाह की बात करने जो लोग घर आएं उन्हें इस तरह बैठाएं कि उनका मुंह घर के अंदर की ओर रहे। विवाह की बात करने वाले व्यक्तियों का मुंह बाहर की ओर होने पर बात पक्की होने की संभावना कम हो जाती है। जिनकी शादी में बाधा आ रही है हो उन्हें इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

-प्रेमी प्रेमिकाओं में फूल खासतौर पर गुलाब के फूल का आदान-प्रदान सामान्य सी बात है। अगर आप भी अपने प्रेमी-प्रेमिका को गुलाब का फूल देते हैं तो प्यार की कामयाबी के लिए फूल देते समय कांटे निकाल दें।

फूलों से अपने वैवाहिक जीवन को वह लोग भी खुशहाल बना सकते हैं जिनके बीच आपसी मतभेद बढ़ गया हो। ऐसे लोग गुलाब की बजाय लिली या आर्किड के फूलों का गुलदस्ता उपहार में दें या इनसे अपने शयन कक्ष को सजाएं।

-विवाह के इच्छुक व्यक्ति को सोते समय अपना पैर उत्तर की ओर और सिर दक्षिण दिशा में रखना चाहिए।

-मनचाहा जीवनसाथी और जल्दी विवाह के लिए कुंवारे लड़के लड़कियों को ऐसे कमरे में सोना चाहिए जिसमें एक से अधिक दरवाजे हों।

-वास्तु विज्ञान के अनुसार विवाह के इच्छुक व्यक्तियों को अपने कमरे में गुलाबी, हल्का पीला, सफेद चमकीला रंग करवाना चाहिए।

-विवाह के इच्छुक व्यक्तियों को अपने घर के दक्षिण पश्चिम भाग में लाल फूलों की पेंटिग लगानी चाहिए।